



Seat No. \_\_\_\_\_

**HAP-1601030301030501**

**B. A. (Sem. III) (CBCS) (WEF-2016) Examination**

**June - 2023**

**Hindi : Paper-5 (Elective-II)**

*(छायावादी काव्य वैभव)*

*(Old Course)*

Time :  $2\frac{1}{2}$  Hours / Total Marks : 70

- सूचना : (1) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।  
(2) प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर निर्दिष्ट हैं ।

- |   |  |    |
|---|--|----|
| 1 | ‘हिमाद्री तुङ्ग शृङ्ग से’ काव्य का भावार्थ लिखकर संदेश स्पष्ट कीजिए ।                            | 14 |
|   | अथवा   |    |
| 1 | ‘प्रथम रश्मि’ काव्य का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए ।                                     | 14 |
| 2 | छायावादी कवि सुमित्रानन्दन पंत के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।                       | 14 |
|   | अथवा   |    |
| 2 | ‘ताज’ कविता का केन्द्रीय विचार स्पष्ट कीजिए ।  | 14 |
| 3 | आधुनिक युग की मीरा के रूप में प्रख्यात महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए । | 14 |
|   | अथवा   |    |
| 3 | भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से ‘मधुर—मधुर मेरे दीपक जल !’ काव्य का मूल्यांकन कीजिए ।           | 14 |
| 4 | ‘भारतमाता’ काव्य में व्यक्त राष्ट्रभावना को अभिव्यक्त कीजिए ।                                    | 14 |
|   | अथवा   |    |

- 4 'वह तोड़ती पत्थर' काव्य में प्रस्तुत मानवतावाद का वर्णन कीजिए । 14
- 5 टिप्पणी लिखिए : (किन्हीं दो) 14
- (1) 'भिक्षुक' कविता के भिक्षुक की मनोवेदना ।
  - (2) 'ताज' काव्य का उद्देश्य ।
  - (3) 'वह तोड़ती पत्थर' काव्य के शीर्षक की सार्थकता ।
  - (4) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल !' काव्य का उद्देश्य ।
-